जल संरक्षण

क्या करें

और

क्या नहीं करें

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान

रूड़की – 247 667

आवासीय जल संरक्षण

घर के अंदर.....
करें :

- ❖ प्रत्येक घर में वर्षा जल संचयन के लिए व्यवस्था करनी चाहिए ताकि भूजल दोहन के दबाव को कम किया जा सके।
- ❖ ब्रुश करते समय व दाढ़ी बनाते समय चलते, खुले जल का प्रयोग न कर पानी मग में लेकर इस्तेमाल करें।
- ❖ सब्जी बर्तन में लेकर धोएं और फिर उस पानी का इस्तेमाल क्यारी में करें।
- ❖ कपड़ों में साबुन लगाते समय टोंटी बंद कर दें।
- ❖ कपड़ों को बाल्टी में पानी भरकर ही खंगालें।
- ❖ घर से बाहर जाते समय पानी की टोंटियों को बंद कर दें।
- ❖ टंकी से पानी रिसने पर तुरंत टंकी ठीक कराएं।
- ❖ छत के टैंक में ओवरफ्लो वॉल्व निश्चित रूप से लगवाएं।

नहीं करें :

- ❖ भरा हुआ पानी बासी समझकर मत गिराएं।
- ❖ पानी की मोटर खुली न छोड़ें।
- ❖ फ्रीजर से निकाली गई आइस ट्रे से बर्फ छुड़ाने के लिए बहते पानी का प्रयोग नहीं करें।
- ❖ कपड़े धोने में अधिक झाग वाले डिटर्जेंट का प्रयोग नहीं करें।
- ❖ पानी के मीटर की नियमित जांच करें, सार्वजनिक स्थानों पर ज्यादा पानी का प्रयोग न करें।

घर के बाहर.....
करें :

- ❖ खेती संबंधी उपयोगी जानकारी प्राप्त कर ही खेतों में पानी दें।
- ❖ बिल्कुल सवेरे लॉन की सिंचाई कर लें। नमी बनी रहती है पानी भाप बनकर नहीं उड़ता।
- ❖ घर के आस–पास के गंदे पानी की निकासी पर विशेष ध्यान दें।
- ❖ रूफ टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग द्वारा विभिन्न तरीकों से जल का संचयन करें।

- ❖ बागवानी में बर्तन/कपड़े धोने से बचे पानी का इस्तेमाल करें।
- ❖ बेकार बहते हुए पानी को हौज में जमा कर उस पानी का इस्तेमाल खेती में करें।
- ❖ चैंबर या हौज में होने वाले छेदों की जांच करें।
- ❖ गाड़ी साफ करते समय लॉन में खड़ी करें, पाइप के स्थान पर बाल्टी से गाड़ी धोयें
  तथा सिगरेट व अन्य सामान गाड़ी के अंदर न फेंकें।

नहीं करें :

- ❖ नल में पाइप लगाकर फर्श साफ न करें। पहले झाड़ू से साफ करें, फिर पोचा लगाएं।
- ❖ गर्मी और तेज हवा के समय में खेतों में पानी का इस्तेमाल कम करें।
- ❖ पीने के पानी के नल के पास सॉकपिट टैंक न बनाएं।
- ❖ साफ पानी के पास गंदगी न जमा होने दें।

सार्वजनिक स्थान.....
करें :

- ❖ जल आपूर्ति तंत्र में लीकेज होने पर स्थानीय निकायों को सूचना दें।
- ❖ सार्वजनिक नलों को सावधानीपूर्वक खोलें और इस्तेमाल के बाद बंद कर दें।
- ❖ होटल, निजी अस्पताल, नर्सिंग होम, डेयरी उद्योग आदि में वर्षा जल संग्रहण कर उस जल का टॉयलेट, बागवानी में प्रयोग करें।
- ❖ बेकार बह रहे पानी के नलों को बंद कर दें।
- ❖ सार्वजनिक जल की हानि को व्यक्तिगत हानि समझें।
- ❖ सार्वजनिक स्थानों पर पानी को बचाने से संबंधित हिदायतें लगाएं।
- ❖ पार्कों में जल पूरण, नाली बनाई जाएं।
- ❖ स्थिति के अनुसार रिचार्ज पिट, ट्रेंच, रिचार्ज ट्रेंच–कम–बोर वेल, सूखा कुंआ, तालाब, पोखर सतही जल का संचयन करें।

नहीं करें :

- ❖ बच्चों को पानी से नहीं खेलने दें।
- ❖ सार्वजनिक नलों पर अधिक दबाव न दें।
- ❖ सार्वजनिक नलों से तोड़–फोड़ का खेल न खेलें।

- ❖ सार्वजनिक सुविधा के स्थानों पर बहुत ज्यादा पानी का इस्तेमाल न करें।
- ❖ सार्वजनिक शौचालय में पानी बहता हुआ नहीं छोड़ें।

खेतों में.....

करें :

किस फसल में कितना पानी

- ❖ फसलों में पानी की आवश्यकता का हिसाब रखना सीखें। फसल के अनुसार जितनी जरूरत हो उतना ही पानी लगाएं।
- ❖ फसल की बढ़ोत्तरी की दर से पानी के प्रयोग को घटाएं–बढ़ाएं।
- ❖ फसलों, मिट्टी और जलवायु से अच्छी तरह मेल खाने वाली सिंचाई प्रणाली का चुनाव करें।
- ❖ सिंचाई समय को बतलाने वाले सेंसरों का प्रयोग करें।
- ❖ जलाशयों में जमा पानी का इस्तेमाल करें।
- ❖ लीकेज से बचने के लिए जोड़ों और कप्लिगों की जांच करें।
- ❖ जल की कमी वाले क्षेत्रों में ऐसी फसलें बोएं जिनमें कम मात्रा में पानी की आवश्यकता हो।
- ❖ खेतों की मेड़ों को ऊंचा व मजबूत बनाकर वर्षा के जल से सिंचाई करें।
- ❖ खाद व कीटनाशक दवाइयों का उचित मात्रा में प्रयोग करें ताकि भूमि जल को प्रदूषण से बचाया जा सके।
- ❖ सिंचाई में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर विधि द्वारा कम जल का प्रयोग करें।
- ❖ खेतों के मेड़ों को मजबूत व ऊंचा करके खेत में पुनःपूरण होने दें।

नहीं करें :

- ❖ फसल को बहुत अधिक नहीं पटाएं। यूँ ही पटवन न करें, उचित समय में क्रमानुसार ही पटवन करें।
- ❖ घास पतवार पानी को सोख लेते हैं। उन्हें बढ़ने नहीं दें।
- ❖ बागवानी व फसलों में अनावश्यक जल का प्रयोग न करें।
- ❖ अत्यधिक भूजल गिरावट के क्षेत्रों में फसल चक्र में परिवर्तन कर अधिक जल वाली फसलें न बोएं।
- ❖ जल को केवल अमूल्य संसाधन समझने के बजाय यह सोचें कि जल न होता तो क्या और कैसे होता ?
- ❖ जल को वाष्पन द्वारा नष्ट होने से बचाएं।